वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में हिन्दी टाइपिंग प्रशिक्षण

संस्थान में दिनांक 11 से 13 दिसंबर, 2024 तक केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित हिंदी शब्द संसाधन, (हिंदी टंकण) पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीकृत 27 कार्मिकों के लिए व्यक्तिगत संपर्क प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में उपस्थित श्री विभूति शरण सिन्हा, सहायक निदेशक (टा.आ.), केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के निदेशक महोदया का अभिवादन किया। उन्होंने संस्थान के कुलसचिव महोदय का भी अभिवादन किया। उन्होंने प्रशिक्षण हेतु की गई व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त की। सर्वप्रथम विषय विशेषज्ञ ने प्रशिक्षण की कार्यसूची से अवगत कराया। कार्यसूची के अंतर्गत पांडुलिपि की हिंदी टाइपिंग तथा इनमें जहां गलतियां हो रही हैं उनका संशोधन करने पर चर्चा की गई। उन्होंने विभिन्न प्रकार के पत्रों का परिचय कराया तथा उनकी हिंदी टाइपिंग के संबंध में सामान्य जानकारी दी। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सामान्य पैराग्राफ आदि तथा विभिन्न पत्रों के मसौदे लेखन हेतु हिंदी टाइपिंग करना सिखाया गया। प्रशिक्षण के एक महत्वपूर्ण भाग में श्रीमती विनीता तिवारी, सहायक निदेशक (टा.आ.) द्वारा प्रशिक्षार्थियों को उपरोक्त पाठ्यक्रम पर मार्गदर्शन दिया गया। उन्होंने प्रूफरीडिंग पर विशेष रूप से अभ्यास आधारित प्रशिक्षण दिया। प्रश्नोत्तर सत्र में कार्मिकों ने हिंदी टंकण गति बढ़ाने तथा त्रुटियां कम करने तथा आगामी परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों आदि से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान प्रश्न पूछकर तथा आपसी चर्चा के माध्यम से कराया। प्रथम दो दिन सैद्धांतिक तथा अभ्यास आधारित हिंदी टाइपिंग का प्रशिक्षण बहुत बारीकियां के साथ प्रदान किया गया । इस दौरान उपरोक्त पाठ्यक्रम पर प्रदान की गई किट का अध्ययन किया गया। तीसरे दिन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम तथा आगामी परीक्षा की तैयारी पर आधारित सत्र संचालित किए गए। इसके उपरांत सभी कार्मिकों से इस संपूर्ण प्रशिक्षण संबंधी प्रतिपुष्टि प्राप्त की गई। अंत में श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने प्रशिक्षण प्रदाता विषय विशेषज्ञों तथा उनकी टीम का धन्यवाद किया तथा उनका आभार व्यक्त किया कि उन्होंने अपना अमूल्य समय उक्त प्रशिक्षण के लिए समर्पित किया। उन्होंने पुनः केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान का उपरोक्त प्रशिक्षण प्रदान करवाने के लिए आभार व्यक्त किया।